



सांध्य दैनिक 4PM



ये मायने नहीं रखता कि कोई पैदा कैसे हुआ है, बल्कि ये मायने रखता है कि वो बड़ा होकर क्या बनता है।

-जे. के. रोलिंग

मूल्य
₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube | 4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 260 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 29 अक्टूबर, 2026

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में अभिषेक फिर... 7 अब्दुल्ला व महबूबा के बयान पर जम्मू... 3 वाराणसी में एमएलसी चुनाव में... 2

राष्ट्रीय हार के झटके से बीजेपी में अन्तर्कलह आरएसएस ने संभाली कमान

» नागपुर में हार, महाराष्ट्र में हार, बिहार में हार और यूपी में तो पीएम, सीएम की नाक के नीचे हार गयी बीजेपी

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सातक निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजों के बाद देश की सियासत में भूचाल जैसी स्थिति उत्पन्न हो चुकी है और सियासी मिजाज बड़ी तेजी से बदल रहा है। चुनाव से पहले क्या किसी ने सोचा था कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी से बीजेपी प्रत्याशी हार जाएगा। राजधानी लखनऊ जहां सीएम योगी रहते हैं वहां से बीजेपी प्रत्याशी की बुरी तरह से हार होगी। बिहार में पटना सीट भी हाथ से निकल जाएगी जहां 35 वर्षों से लगातार कमल खिल रहा हो। आरएसएस मुख्यालय जो कि नागपुर में हैं वहां से कांग्रेस उम्मीदवार के चुनाव जीतने का मतलब समझ में आ रहा है किसी को। हार के बाद संगठन के भीतर तालमेल और अंतर्कलह पर सवाल उठने लगे तो मामला साधारण नहीं रह जाता।

चुनाव में हार एक परिणाम है लेकिन हार के पीछे अगर आपसी खींचतान, गुटबाजी और नेतृत्व के बीच तालमेल की कमी जैसी समस्याएं हों तो वह परिणाम से कहीं बड़ा राजनीतिक संदेश बन जाती है। बीजेपी के लिए चिंता इसलिए भी बड़ी है कि उत्तर प्रदेश उसके राष्ट्रीय राजनीतिक गणित का सबसे महत्वपूर्ण आधार रहा है। यहां संगठन की मजबूती केवल प्रदेश की सत्ता तक सीमित नहीं मानी जाती बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में पार्टी की ताकत से भी जुड़ी है। ऐसे में दूसरे राज्यों के चुनावी झटकों और उत्तर प्रदेश में सामने आ रही चुनौतियों को अलग अलग खानों में रखकर देखना शायद आसान हो लेकिन राजनीतिक रूप से यह अंधूरा आकलन होगा। असली परीक्षा यह है कि पार्टी इन संकेतों से क्या सीखती है



बीजेपी के सामने अब दोहरी लड़ाई

बीजेपी के सामने अब दोहरी लड़ाई है। पहली, विपक्ष के सामने अपनी चुनावी ताकत कायम रखने की। दूसरी अपने भीतर भरोसे तालमेल और अनुशासन को मजबूत करने की। क्योंकि जब संगठन की ऊर्जा आपसी टकराव में खर्च होने लगे तो विरोधियों को अलग से नेहनत करने की जरूरत कम पड़ जाती है। लखनऊ में अमित शाह की मौजूदगी इसलिए चर्चा में है। अब निगाह इस पर रहेगी कि बैठक के केवल नसीहतों तक सीमित रहती है या संगठन के भीतर जिम्मेदारियां तय करने और अंतर्कलह पर लगाने लगाने के ठोस संकेत भी सामने आते हैं। फिलहाल इतना साफ है कि बीजेपी के लिए चुनौती सिर्फ हारी हुई सीटों का हिसाब नहीं बल्कि उस राजनीतिक भरोसे को बनाए रखने की है जिसके दम पर पार्टी चुनावी मैदान में उतरती है।

और अपने संगठन को कितना एकजुट कर पाती है। इसी पृष्ठभूमि में 30 अक्टूबर

नागपुर में कांग्रेस की जीत का मतलब

कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधान सातक निर्वाचन क्षेत्र में जीत दर्ज कर चौकाया है। कांग्रेस ने बीजेपी को को एक ऐसे क्षेत्र में हराया है जिसे आरएसएस का गढ़ माना जाता है। कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत गोविंदराव वंजारी ने सुधाकर कोहले को 3,271 मतों के अंतर से हरा दिया।

यह परिणाम नागपुर में कांग्रेस के लिए एक बड़ी चुनावी जीत बनकर सामने आ रहा है। अपनी जीत के बाद मीडिया से बात करते हुए वंजारी ने कहा कि भाजपा ने इन चुनावों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी उनके बड़े नेता नागपुर में मौजूद थे लेकिन मतदाता हमारे साथ थे। यह परिणाम इसलिए भी काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि नागपुर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का गृह नगर है और यह उस लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा भी है जिसका प्रतिनिधित्व केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी करते हैं।

गृहमंत्री अमित शाह पहुंच रहे हैं लखनऊ मरहम लाएंगे या फिर करेंगे सर्जरी!

को गृहमंत्री अमित शाह का लखनऊ दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। संगठन और चुनावी रणनीति पर उनकी पकड़ को देखते हुए इस दौरे से यह उम्मीद जोड़ी जा रही है कि प्रदेश में पार्टी की तैयारियों, कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय और संगठनात्मक जवाबदेही पर नए सिरे से जोर दिया जाएगा। हालांकि दौरे का वास्तविक एजेंडा और बैठकों में होने वाले फैसले ही बताएंगे कि यह सामान्य संगठनात्मक समीक्षा है या किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती से निपटने की तैयारी।

लखनऊ में बड़ी बैठक, शाह करेंगे शिरकत

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच भारतीय जनता पार्टी 30 अक्टूबर को लखनऊ में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के जरिए संगठन की रणनीति और चुनावी तैयारियों को धार देगी। डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाली इस बैठक का उद्घाटन केन्द्रीय गृह एवं अमित शाह करेंगे जबकि सनापन सत्र को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संबोधित करेंगे। बैठक की अध्यक्षता

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री प्रकाश चौधरी करेंगे। प्रदेश कार्यसमिति की इस महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी राजनीतिक चुनौतियों और चुनावी तैयारियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर मंथन करेंगे। बैठक में पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े, प्रदेश सह-प्रभारी जगदीश पटेल, मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा और प्रदीप वर्मा के साथ उपमुख्यमंत्री

केशव प्रसाद नौर्य और कुंजेश पाठक तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय अध्यक्षों, क्षेत्रीय महामंत्रियों, महाधायों, जिला पंचायत अध्यक्षों, विभिन्न मोर्चों के प्रदेश अध्यक्षों, जिला प्रभारियों, जिलाध्यक्षों और जिला महामंत्रियों सहित संगठन के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी बैठक में हिस्सा लेंगे।

वाराणसी में एमएलसी चुनाव में हार से हताश भाजपा की हालत खराब : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- 'ऑल आउट' हो गई पार्टी, लखनऊ वाले दिल्ली वालों का फोन नहीं उठा रहे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधान परिषद चुनाव के नतीजों को लेकर भाजपा पर करारा प्रहार किया। सपा प्रमुख बोले ने वाराणसी में हार का जिक्र करते हुए पार्टी को ऑल आउट बताया। साथ ही, सपा प्रत्याशी डॉ. संजयन त्रिपाठी को हराने की साजिश और शिक्षकों के उत्पीड़न के आरोप लगाए। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर वाराणसी में हार को लेकर भाजपा पर तंज कसा और मतगणना में गड़बड़ी की साजिश का आरोप लगाया।

अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा, वाराणसी में एमएलसी चुनाव में हार से हताश भाजपा की हालत खराब है। लखनऊ वाले दिल्ली वालों का फोन नहीं उठा रहे हैं। सच तो ये है कि भाजपा यूपी एमएलसी चुनाव में ऑल आउट हो गई है। अखिलेश यादव ने डॉ. संजयन त्रिपाठी को लेकर भाजपा पर



गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि सपा प्रत्याशी को हराने की साजिश सामने आ गई है। अपने पोस्ट में उन्होंने 'हाता नहीं भाता' का जिक्र करते हुए भाजपा पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी वोट से नहीं, बल्कि खोट से जीतती है।

भाजपा शासन में शिक्षकों को अपमान का सामना करना पड़ा है

सपा अध्यक्ष ने डॉ. संजयन त्रिपाठी के कथित उत्पीड़न और उनके आंसुओं का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षक समाज इस घटना को नहीं भूलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में शिक्षकों को अपमान का सामना करना पड़ा है। साथ ही, शिक्षकों से चारा इकट्ठा करने जैसे काम करवाने के कथित षड्यंत्र का भी जिक्र किया।

शिक्षकों के साथ खड़ी रहेगी सपा

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ. संजयन त्रिपाठी और उनके समाज के साथ कथित अन्याय व उत्पीड़न के खिलाफ खड़ी है और आगे भी खड़ी रहेगी। उनके बयान से एमएलसी चुनाव की मतगणना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं। हालांकि, मतगणना में गड़बड़ी और साजिश से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती है। इस मामले में भाजपा और संबंधित चुनाव अधिकारियों की प्रतिक्रिया सामने आने पर स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी।

जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही उठें कार्यकर्ता

उत्तर प्रदेश विधानपरिषद की वाराणसी खंड स्नातक सीट के लिए पिछले करीब 48 घंटे से मतगणना जारी रहने के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं का डटे रहने और जीत का प्रमाण पत्र लेकर ही उठने का आह्वान किया। वाराणसी खंड स्नातक सीट के लिए मतगणना करीब 48 घंटे से भी ज्यादा समय से जारी है जिसमें सपा उम्मीदवार आशुतोष सिंह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के केदारनाथ सिंह से करीब 17000 मतों से आगे चल रहे हैं। इससे पहले, बुधवार को घोषित परिणाम में वाराणसी खंड शिक्षक क्षेत्र की सीट पर सपा के लाल बिहारी यादव ने जीत हासिल की थी। सपा प्रमुख ने वाराणसी खंड स्नातक सीट की मतगणना के बीच बृहस्पतिवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, सब डटे रहें और जीत का प्रमाणपत्र लेकर ही उठें। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे मतगणना केंद्र पर भोजन, पानी, छतरी और तैलिये आदि की व्यवस्था करके अपने साथियों की मदद करें तथा हौसलों के गीत

गाकर जागते रहें। सवेरा अपना होगा। यादव ने हिदायत दी, सड़क पर लिखी वह चेतावनी याद रखें। नजर हटो, दुर्घटना घटी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की खंड शिक्षक और स्नातक श्रेणी की 11 सीट में से 10 के परिणाम घोषित किये जा चुके हैं जिनमें भाजपा ने छह और सपा ने चार सीट हासिल की हैं। जारी किये गये आधिकारिक परिणाम के अनुसार, मेरठ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के दिनेश कुमार गोयल, लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उमेश द्विवेदी, वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के लाल बिहारी यादव, आगरा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के डॉक्टर आकाश अग्रवाल और आगरा खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉक्टर मानवेंद्र प्रताप सिंह ने जीत हासिल की। इसके अलावा इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक क्षेत्र से सपा के डॉक्टर मानसिंह यादव, मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के श्रीचंद्र शर्मा, बरेली-मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉक्टर हरि सिंह दिल्ली और गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के ध्रुव त्रिपाठी विजयी रहे।

लोकतंत्र को कुचलने वाले लोकतंत्र के नाम पर 'फर्जी कवायद' कर रहे हैं : तेजस्वी

» सीएम सम्राट चौधरी के पदयात्रा पर राजद नेता ने कसा तंज

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लोकतांत्रिक संस्थाओं के खिलाफ कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे भ्रामक विमर्श का मुकाबला करने के लिए पटना में पदयात्रा का नेतृत्व किया। वहीं, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस पदयात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जो लोग 'लोकतंत्र को कुचलते' हैं, वे लोकतंत्र के नाम पर 'फर्जी कवायद' कर रहे हैं।

'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' नाम से निकाली गई यह पदयात्रा पटना के गांधी मैदान के निकट कारगिल चौक से शुरू हुई और मौर्य होटल के पास स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण की

प्रतिमा के निकट समाप्त हुई। पदयात्रा से पहले एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, "केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कमजोर करने और पूरे देश में अराजकता एवं गुंडागर्दी फैलाने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि, ये प्रयास विफल होंगे, क्योंकि देश का नेतृत्व प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जैसे सक्षम नेताओं के हाथों में है।"

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की रक्षा के लिए देशव्यापी कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' यात्रा निकाल रही है। मुख्यमंत्री ने देश में कथित चुनावी गड़बड़ियों को लेकर पूर्ववर्ती कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकारों पर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा, आज हम 'प्रतिकार पदयात्रा' निकाल रहे हैं, ताकि सत्ता के लिए बेचैन ताकतों को संदेश दिया जा सके कि देश लोकतांत्रिक व्यवस्था के तहत ही चलेगा। जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिवंगत माता-पिता के संबंध में कांग्रेस नेताओं द्वारा कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किए जाने की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, पहले मोदी जी की मां के बारे में गलत बातें कही गईं और राहुल गांधी ने ऐसा होने दिया। इसके बाद हाल में खरगे जी ने प्रधानमंत्री के पिता के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं।

यह उनके मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। जायसवाल ने दावा किया कि इस तरह की घटनाओं से ऐसा माहौल बना है, जो 2029 के लोकसभा चुनाव और उसके बाद भी भाजपा की जीत सुनिश्चित करेगा। उन्होंने हाल में संपन्न बिहार विधान परिषद चुनावों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि गठबंधन का झंडा हर जगह ऊंचा लहरा रहा है।

सपा की कांति सिंह ने छह साल बाद छीनी भाजपा से स्नातक एमएलसी सीट

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर 24 साल में चौथी बार डॉ. एसपी सिंह के परिवार ने जीत दर्ज की है। वर्ष 2002 और 2008 में डॉ. एसपी सिंह ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल की थी। 2014 में उनकी पत्नी कांति सिंह ने भी सीट पर कब्जा जमाया। 2020 में भाजपा प्रत्याशी से हारने के बाद इस बार सपा के टिकट पर मैदान में उतरीं कांति सिंह ने वापसी करते हुए भाजपा से सीट छीन ली।

डॉ. एसपी सिंह ने वर्ष 2002 में करीब 1,500 मतों के अंतर से पहली जीत दर्ज की थी। 2008 में जीत का अंतर बढ़कर करीब 5,500 मत हो गया। वर्ष 2014 में कांति सिंह निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीती थीं और करीब 9,700 मतों से जीत हासिल की थी। हालांकि, 2020 के चुनाव में उन्हें भाजपा प्रत्याशी से करीब छह हजार मतों से हार का सामना करना पड़ा था। छह साल बाद उन्होंने सपा के टिकट

युवाओं को रोजगार से जोड़ना प्राथमिकता : कांति सिंह

जीत के बाद कांति सिंह ने युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, करियर काउंसलिंग मजबूत करने और शिक्षा का बेहतर माहौल बनाने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 में सपा सरकार बनने पर स्नातक बेरोजगारों को रोजगार मत्ता देने और वित्तविवीन शिक्षकों को प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जाएगा। उनके पति एवं प्रतापगढ़ से सपा सांसद डॉ. एसपी सिंह ने मतगणना निष्पक्ष तरीके से कराने के लिए जिला प्रशासन का आग्रह जताया।



पर जीत दर्ज कर सीट फिर परिवार के पास पहुंचा दी। हार से दोगुने से अधिक अंतर से जीत मतगणना के आठवें चक्र तक कांति सिंह को 51,168 और भाजपा प्रत्याशी ई. अवनीश कुमार सिंह को 36,313 मत मिले थे। इस चरण में कांति सिंह 14,855 मतों से आगे थीं। अंतिम परिणाम में उनकी जीत का अंतर 15 हजार से अधिक रहा।



सीएम मान के पास नहीं लोगों से मिलने का समय : हरसिमरत कौर

» शिअद नेता का आप सरकार पर हमला

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चण्डीगढ़। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने पंजाब में नशा तस्करी के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी सरकार को घेरा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के बजाय नशा तस्करी के साथ दे रही है। उन्होंने कहा कि सितंबर में अभियान शुरू करने के बाद से यह साफ हो गया है कि लोगों के सब्र का बांध टूट चुका है। अब कोई चुप बैठने को तैयार नहीं है और लोग अपने हक की लड़ाई खुद लड़ रहे हैं।

हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि



उनका उद्देश्य जनता को इस लड़ाई में शामिल करना था और अब लोग खुलकर सामने आ रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के पास लोगों से मिलने तक का समय नहीं है, जबकि वह जनता के पैसे पर फ्रांस जाकर अपना जन्मदिन मनाने जा रहे हैं।

मान ही पंजाब को बना सकते हैं नशामुक्त : सौरभ भारद्वाज

अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ चार्जशीट दाखिल होने के बाद आम आदमी पार्टी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ही पंजाब को नशामुक्त बनाने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने सवाल किया कि मजीठिया के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के इतने साल बाद भी ईडी ने कार्रवाई क्यों नहीं की। भारद्वाज ने दावा किया कि पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने मजीठिया और उनसे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ करीब 40 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। उनके मुताबिक, 2007 से 2017 के बीच मजीठिया और उनकी पत्नी की संपत्ति में 1500 फीसदी की वृद्धि हुई। उन्होंने करीब 736 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं का आरोप भी लगाया।

अकाली दल की सांसद ने कहा कि पंजाब के लोगों ने राज्य की रक्षा और सुरक्षा की जिम्मेदारी जिन लोगों को सौंपी थी, आज उन्हीं पर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करने

वाले और पंजाब की सुरक्षा के लिए चुने गए लोगों से जनता को काफी उम्मीदें थीं। हरसिमरत कौर बादल ने सवाल उठाया कि अगर रक्षक ही भक्षक बन जाएं तो पंजाब का क्या होगा?

अब्दुल्ला व महबूबा के बयान पर जम्मू में सियासी संग्राम

कांग्रेस ने भी रखी अपनी बात, भाजपा ने भी खोला मोर्चा

- » पीडीपी प्रमुख के फिर बिगड़े बोल, विलय दिवस पर बोलीं- जबरन थोपी गई खामोशी अमन नहीं आतंक
- » केंद्र सरकार पर विपक्ष का हमला

4पीएम न्यूज नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सियासी सरगर्मी एकबार फिर चढ़ गई है। जहां उमर अब्दुल्ला ने अपने मंत्रिमंडल का विस्तार कर आलोचकों को करारा जवाब दिया है वहीं राज्य का दर्जा बहाल करने को लेकर नेंकां व अन्य दल केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वहीं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती व नेकां के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला के बयानों से राज्य की सियासत गरमा गई है।

कश्मीरियों की रक्षा पाकिस्तान कर रहा...संबंधी डॉ. फारुक अब्दुल्ला के बयान पर सियासी तूफान अभी थमा नहीं था कि पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के भी बिगड़े बोल फिर सामने आ गए। जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय दिवस पर उन्होंने कहा, जबरन थोपी गई खामोशी अमन नहीं, आतंक है। देश के लोगों को कश्मीर का दर्द समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा इस खामोशी को अमन न समझे, यह पूरे देश के लिए चेतावनी है। भाजपा ने इसका तीखा प्रतिकार किया और इसे वजूद को बचाने और सुर्खियों में बने रहने की महबूबा की एक कोशिश भर बताया।

बंदूकों से जमीन पर कब्जा संभव, दिलों पर नहीं : महबूबा

फारुक के बयानों पर महबूबा ने कहा कि बदलते और दोहरे बयानों का जवाब फारुक को खुद देना होगा। कहा कि जमीन पर बंदूकों और फौजों के दम पर भूभाग पर तो नियंत्रण रखा जा सकता है, लेकिन लोगों के दिलों को कभी जीता नहीं जा सकता।



चुनावी मुद्दा बना कश्मीर अवाम की जुबान बंद

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा छीना गया। कश्मीर का नाम संयुक्त राष्ट्र से लेकर उत्तर प्रदेश, पंजाब और हिमाचल के विधानसभा चुनावों तक सियासी फायदे के लिए उछाला जाता है, लेकिन विडंबना यह है कि खुद

कश्मीरियों की जुबान पूरी तरह बंद कर दी गई है। उन्होंने देश की जनता से कश्मीर का दर्द समझने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि जो दमन घाटी में शुरू हुआ, वह अब धीरे-धीरे पूरे देश के संविधान और नागरिक अधिकारों तक पहुंच रहा है।

इतिहास के पन्नों को पलटने का सिलसिला जारी

पार्टी मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में महबूबा ने इतिहास के पन्नों को पलटते हुए नेशनल काँग्रेस के संस्थापक शेख मोहम्मद अब्दुल्ला की भूमिका पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि 1947 में जब महाराजा हरि सिंह के विलय पत्र को शेख अब्दुल्ला ने जन-स्वीकृति दी थी, तब कश्मीरियों को

भरोसा था कि भारत कोई कब्जा करने वाली ताकत नहीं है। इसके बाद 1953 के बाद शेख की ओर से 22 साल तक चलाए गए रायशुमारी यानी जनमत संग्रह के आंदोलन ने नई दिल्ली और कश्मीर के बीच अविश्वास की ऐसी गहरी खाई खोदी, जिसकी कीमत आज भी आम कश्मीरी चुका रहा है। इसी

अविश्वास के चलते जम्मू-कश्मीर दुनिया का सबसे अत्यधिक सैन्यीकृत इलाका बन गया, जहां आज सात से आठ लाख सुरक्षा बल तैनात हैं। उन्होंने कहा कि भले ही शेख साहब ने 1975 के समझौते के बाद मुख्यधारा में वापसी कर ली लेकिन कश्मीरियों के माथे से अविश्वास का वह दाग नहीं मिटा।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा : रविंद्र शर्मा

कांग्रेस नेता रविंद्र शर्मा ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को कश्मीर के मुद्दे पर बोलने का अधिकार नहीं है और शिमला समझौते के तहत द्विपक्षीय मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने क्षेत्र में अल्पसंख्यकों के साथ अन्याय समेत फारुक अब्दुल्ला के बयान में उठाए गए

कुछ मुद्दों का भी उल्लेख किया। शर्मा ने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग दोहराई। नेशनल एंटी-टेररिज्म फ्रंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष विशाल चोपड़ा के नेतृत्व में भी प्रदर्शन किया गया। संगठन ने फारुक अब्दुल्ला से माफी मांगने को कहा। वहीं जम्मू स्टेट मूवमेंट ने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर विजय सागर धेवान की अध्यक्षता में बैठक कर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बयान की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कराने की अपील की। संगठन ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत संभावित कार्रवाई की भी जांच करने की मांग की। किसी भी कानूनी कार्रवाई का फैसला जांच और संबंधित कानूनों के प्रावधानों के आधार पर किया जाना है।

अब्दुल्ला के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया : इमरान नबी



इमरान नबी डार, प्रवक्ता नेकां ने कहा नेशनल काँग्रेस प्रमुख फारुक अब्दुल्ला के बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। नेकां का भारत और पाकिस्तान के संबंधों को लेकर स्टैंड पहले से साफ है। नेशनल काँग्रेस दोनों देशों के बीच वार्ता का समर्थन करती रही है, लेकिन पीडीपी का ऐसा कोई सरोकार नहीं है। पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जो बयान दिया है वो अलग धारा प्रवाह को दिखाता है। उनके इस बयान को नेकां प्रमुख फारुक अब्दुल्ला के साथ जोड़ना गलत होगा। नेकां की राजनीति और तौर-तरीका साफ है।

सड़कों पर उतरे संगठन, भाजपा नेताओं ने खोला मोर्चा

बारामुला में फारुक अब्दुल्ला ने कहा था कि पाकिस्तान कश्मीरियों की रक्षा कर रहा है। उनके इस बयान के बाद भाजपा नेताओं और विभिन्न संगठनों ने नाराजगी जताई। राष्ट्रीय बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद, भारतीय जनता युवा मोर्चा, डोगरा फ्रंट और नेशनल एंटी-टेररिज्म फ्रंट समेत कई संगठनों ने मार्च

निकालकर प्रदर्शन किया और फारुक अब्दुल्ला के पुतले जलाए। भाजपा के राज्यसभा सांसद सती शर्मा ने कहा कि फारुक अब्दुल्ला को देश के 140 करोड़ लोगों से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि वह माफी नहीं मांगते हैं तो उन्हें पाकिस्तान में रहने पर विचार करना चाहिए। भाजपा विधायक विक्रम रंधावा ने बयान को राष्ट्र

विरोधी बताते हुए कहा कि इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि फारुक अब्दुल्ला ऐसे देश के पक्ष में बोल रहे हैं, जिस पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अशांति को बढ़ावा देने के आरोप लगते रहे हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रविंद्र रैना ने भी बयान की आलोचना करते हुए माफी की

मांग की। भाजपा नेता शक्ति राज परिहार ने फारुक अब्दुल्ला के खिलाफ राजद्रोह के आरोप में एफआईआर दर्ज करने और उन्हें गिरफ्तार करने की मांग की। वहीं, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विवेक बाली ने बयान की जांच कराने और कानून का उल्लंघन पाए जाने पर उचित कार्रवाई करने की मांग की।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

मौजूद संसाधनों का समझदारी से प्रयोग करने में लाभ

पर्यावरण बचाने के लिए केवल नई चीजें बनाने के बजाय पहले से मौजूद संसाधनों का ज्यादा से ज्यादा और समझदारी से इस्तेमाल करना होगा। जितना हम प्रदूषण करने से अपने को रोकेंगे उतना वायुमंडल को लाभ होगा। इससे सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक स्थिति भी सुदृढ़ होगी। यही सर्कुलर इकोनॉमी की मूल भावना है। गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के समापन समारोह में विशेषज्ञों ने यह बात कही। दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन के समापन पर पर्यावरण अनुकूल उत्पादों को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 'इकोमार्क' के लोगो का अनावरण किया गया। इस मौके पर भारत और विदेशों से आए प्रतिनिधियों ने टिकाऊ विकास और सर्कुलर इकोनॉमी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

माली ने कहा कि गुजरात सर्कुलर इकोनॉमी और सतत विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। गुजरात की वेस्ट टू एनर्जी पॉलिसी-2022 कचरे से ऊर्जा बनाने को बढ़ावा देती है, जबकि गुजरात इंडस्ट्रियल पॉलिसी-2026 में उत्पादों की मरम्मत, पुनः उपयोग और री-मैनुफैक्चरिंग पर जोर दिया गया है। फिनलैंड की पर्यावरण मंत्री सारी मुलताल्ला ने कहा कि डेटा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) और तकनीक सर्कुलर इकोनॉमी को वैश्विक वास्तविकता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। सर्कुलर इकोनॉमी केवल पर्यावरण से जुड़ा विचार नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक विकास का भी अवसर है। भारत में ई-वेस्ट, स्क्रेप मेटल, पुराने वाहनों और सोलर रिसाइक्लिंग समेत विभिन्न क्षेत्रों के लिए 11 समर्पित सर्कुलर इकोनॉमी नीतियां लागू की गई हैं। गुजरात औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाते हुए आगे बढ़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) चेयरमैन डॉ. अमनदीप गर्ग ने कहा कि सम्मेलन में 66 देशों के 2,700 से अधिक प्रतिनिधि और करीब 260 वक्ता शामिल हुए। चार प्लेनरी और 16 समानांतर सत्रों में सर्कुलर इकोनॉमी के वित्तीय, तकनीकी और नीतिगत पहलुओं पर चर्चा हुई। 125 से अधिक प्रदर्शकों ने भी अपने समाधान और अनुभव प्रस्तुत किए। समापन पर अगले वर्ष डबल्यूसीईएफ की मेजबानी करने वाले अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर को बेटन सौंपा गया।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत के फैसलों पर चीन का दोहरा रवैया

□□□ गौतम बंबावाले

लद्दाख में 28 जगहों की पहचान करके और उन्हें आधिकारिक नक्शे पर चिह्नित करते हुए उनके नाम तय करने के भारत के कदम पर चीन ने त्वरित और कुछ हद तक चिढ़ भरी प्रतिक्रिया दी है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने गत 13 अक्टूबर को कहा, 'चीन भारत द्वारा प्रचारित तथाकथित तय नामों का कड़ा विरोध करता है' और कहा कि 'यह कदम गैर-कानूनी और अमान्य है'। भारत के जवाबी कदम उठाने से बहुत पहले ही चीन ने खुद ऐसा करना शुरू कर दिया था, लेकिन उसने इस बात को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है कि यह उसकी अपनी कार्रवाई की प्रतिक्रिया है। यह खेल का एक जाना-पहचाना तरीका है। चीन जो करे, वह सही; जब वही काम कोई दूसरा करे, तो गलत! ऐसा लगता है कि भारत का यह कदम चीन को चुभ गया है तभी तो उसने तुरंत और कड़ी प्रतिक्रिया दी है। अपनी ताकत के घमंड में चीन इस साधारण-से तथ्य को नजरअंदाज कर रहा है कि यह खेल दोनों तरफ से खेला जा सकता है।

भारत तो बस उसी काम को आगे बढ़ा रहा है, जिसकी शुरुआत पहले चीन ने की थी। चीन के कर्ता-धर्ताओं को आने वाले महीनों और सालों में भारत की ओर से ऐसे और भी 'तय नामों'—यह वह शब्द है, जिसका इस्तेमाल खुद चीनी करते हैं की उम्मीद करनी चाहिए। कृपया यह न भूलें कि कुछ महीने पहले अरुणाचल प्रदेश में भी ऐसा ही किया गया था। अगस्त में भारत ने अरुणाचल प्रदेश में 27 जगहों और भौगोलिक विशेषताओं के नाम तय किए थे। गृह मंत्रालय ने घोषणा की थी कि यह काम राज्य सरकार के साथ सलाह-मशविरा करके किया गया है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के कुछ और पहलू भी हैं, जिन पर गहराई से विश्लेषण करने की जरूरत है। इसमें कहा गया है कि 'चीन ने कभी भी भारत द्वारा एकतरफा एवं गैर-कानूनी तरीके से

बनाए गए तथाकथित 'केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख' को मान्यता नहीं दी है'। इस टिप्पणी से तुरंत ये सवाल उठते हैं क्या भारत के प्रशासनिक ढांचे में किसी भी बदलाव में चीन के दखल की कोई गुंजाइश है?

क्या यह पूरी तरह से भारत का अपना फैसला नहीं है? क्या चीन ने तब आपत्ति जताई थी, जब 2014 में पुराने आंध्र प्रदेश से अलग होकर तेलंगाना राज्य बना था? साफ तौर पर नहीं। तो फिर चीन को ऐसा क्यों लगता है कि 2019 में जब भारत ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाया, तो उसमें उसकी भी कोई सहमति होनी चाहिए? अनुच्छेद 370



को हटाने पर चीन कैसे आपत्ति जता सकता है, जबकि यह भारत का एक घरेलू प्रशासनिक फैसला था? जब अनुच्छेद 370 हटाया गया, तो दिल्ली ने चीन को स्पष्ट रूप से बता दिया था कि यह भारत का आंतरिक मामला है और इसका भारत-चीन सीमा विवाद के सवालों पर कोई प्रभाव नहीं है। सीमा से जुड़े विवादों पर दोनों देशों के बीच संवाद और वार्ता जारी रखने की जरूरत है। फिर भी, शायद पाकिस्तान के उकसावे पर चीन ने इन दो केंद्र शासित प्रदेशों के गठन पर आपत्ति जताई थी। चीन ने कभी भारत को यह नहीं बताया कि वह अनुच्छेद 370 के तहत मिली विशेष व्यवस्था को खत्म करने का विरोध क्यों कर रहा है। शायद अब समय आ गया है कि चीन इस मामले पर खुलकर बात करे और भारत को बताए कि उसे क्या आपत्तियां हैं। हो सकता है कि चीन ऐसा न करना चाहे,

क्योंकि इससे भारत के घरेलू मामले पर उसका रुख सबके सामने आ जाएगा। बेशक, हमें यह भी याद रखना चाहिए कि जब 1987 में भारत ने अरुणाचल प्रदेश को केंद्र शासित प्रदेश से राज्य का दर्जा दिया था, तब भी चीन ने उस कदम पर आपत्ति जताई थी। आज भी, जब कभी केंद्र से गए भारतीय नेता उस राज्य का दौरा करते हैं, तो चीन जोरदार आपत्ति जताता है। साफ है कि ये आपत्तियां इसलिए हैं, क्योंकि चीन पूरे राज्य पर अपना दावा करता है, जबकि हकीकत यह है कि लगभग पूरे इलाके पर भारत का वास्तविक नियंत्रण है—ज्यादातर जगहों पर तो मैकमोहन रेखा तक। क्या लद्दाख के मामले में भी यही

सिद्धांत लागू किया जा रहा है? क्या चीन का तर्क यह है कि जब तक सीमा तय और चिह्नित नहीं हो जाती, तब तक भारत अपने ही इलाके में जो कुछ भी करेगा, उस पर भले ही चीन का कोई विवाद न हो चीन को वीटो (रोकने) का अधिकार है? यह एक बहुत ही अजीब तर्क है।

यहां तक कि चीन को भी यह समझ में आना चाहिए कि यह कितना खोखला है। यह हमें चीनी विदेश मंत्रालय के बयान के तीसरे पहलू पर लाता है, जिसमें कहा गया है '...इससे यह तथ्य नहीं बदल जाता कि भारत-चीन सीमा का पश्चिमी हिस्सा चीन का है।' असल बिंदु यही है। भारत उस इलाके पर सवाल उठाता है, जिसे चीन अपना क्षेत्र मानता है। वहीं दूसरी ओर, चीन को उस इलाके पर एतराज है, जिसे भारत अपना कहता है। इसीलिए वहां सीमा का सवाल या सीमा विवाद है।

□□□ भाषा सिंह

यूरोप में युवा सड़कों पर हैं, गुस्से में हैं और उनका आंदोलन उग्र रूप ले चुका है। फ्रांस में आंदोलन के गुस्से का शिकार बड़े पैमाने पर लंबे इतिहास को समेटे सरकारी इमारतें हुई हैं। हिंसा और आगजनी का दौर चल रहा है, भीड़ बेकाबू नजर आ रही है। करीब 44 देशों के समूह को यूरोप कहा जाता है, जिसमें से फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन और अल्बानिया में युवाओं का आंदोलन पूरे उफान पर है। बाकी देशों में भी युवाओं की नाराजगी की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। इन तमाम देशों में जेनजी यानी वर्ष 1997 से 2012 के बीच पैदा हुई युवा पीढ़ी के गुस्से की वजह एक नहीं, अलग-अलग है। लेकिन एक चीज कॉमन है और वह यह कि उनके जीवन से जुड़ी बुनियादी जरूरतों के बारे में उनके देशों की सरकारों का उदासीन रवैया है। जिस स्तर पर उनका गुस्सा भड़का है, उससे यह बात भी साफ है कि वे लंबे समय से अपने देश की सरकारों की गलत नीतियों से परेशान थे, पीड़ित थे और अब उनमें बदलाव चाहते हैं।

बाकी दुनिया में चले जेनजी आंदोलनों की तरह यहां भी कोई एक संगठन या पार्टी उनका नेतृत्व करती नहीं नजर आ रही है। बहुत हद तक ये तमाम आंदोलन स्वतःस्फूर्त नजर आ रहे हैं। फ्रांस में बढ़ती हिंसा-आगजनी को लेकर दुनिया भर में चिंता व्यक्त की जा रही है। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने सीधे-सीधे कहा कि इस तरह की हिंसा फ्रांस की जनता कैसे कर सकती है, यह अराजक तत्वों का गंदा खेल है, जिससे देश यानी फ्रांस को नुकसान हो रहा है। हालांकि, यहां मैक्रों यह बताने में असफल रहते हैं कि जो आंदोलन स्कूलों

यूरोप में युवाओं के आक्रोश से उपजे प्रश्न



की बदतर हालत को सुधारने के लिए शुरू हुआ, वह यहां तक कैसे पहुंचा और क्यों उनकी सरकार ने इस मुद्दे को शुरू में ही हल करने का प्रयास नहीं किया। अब तो जेनजी आंदोलन उनके हाथ से बाहर निकल गया है। प्रदर्शनकारियों ने लिमोज में 19वीं सदी के ऐतिहासिक सिटी हॉल में आग लगा दी।

पेरिस के लजरी ब्रांडों की दुकानों, बैंकों व दूसरे भवनों में आग लगा दी। पेरिस के वार्णिज्य मंडल के अध्यक्ष के अनुसार, शनिवार-रविवार को करीब 400 दुकानों को नुकसान पहुंचाया गया। खराब स्कूलों और छात्रविरोधी शिक्षा नीति के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन रौद्र रूप हासिल कर चुका है। किसी ने भी सितंबर में यह नहीं सोचा था कि स्कूलों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और विश्वविद्यालय में दाखिले के मुद्दों से शुरू हुआ यह आंदोलन इतना उग्र रूप धारण कर लेगा। उधर, स्पेन और पुर्तगाल जैसे देशों में युवाओं का गुस्सा महंगे घरों और ऊंचे किराये को लेकर फूटा। यहां के युवाओं का कहना है कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि वे किराये पर घर नहीं ले पा रहे हैं और उनका भविष्य

चौपट हो रहा है। वहीं, बेल्जियम में सरकारी बजट में कटौती ने युवाओं और ट्रेड यूनियनों को सड़कों पर उतार दिया है। बेल्जियम में ट्रेड यूनियन लंबे समय से सरकार की मजदूर-विरोधी नीतियों के खिलाफ गुस्से में थीं। छात्रों ने भी अब मोर्चा संभाल लिया है। यूरोप इस समय जबरदस्त महंगाई की मार झेल रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। इटली में युवाओं का गुस्सा महंगाई, रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में आए उछाल और नौकरियों के संकट को लेकर फूटा है। उधर, अल्बानिया में जेनजी आंदोलन फ्रांस की ही तरह उग्र और हिंसक रूप ले चुका है।

यहां व्यवस्था में जिस तरह भ्रष्टाचार व्याप्त है और वहां की अदालतें जिस तरह भ्रष्ट व्यवस्था के साथ खड़ी हैं, उसे लेकर युवाओं और बाकी जनता में बहुत गुस्सा है। अल्बानिया में आंदोलनकारियों ने सुप्रीम कोर्ट को ही जला दिया, क्योंकि उनका कहना था कि कोर्ट भ्रष्ट सरकार को बचाने का काम कर रहा है और जनता की बात नहीं सुन रहा है। इस हिंसा का विरोध भी हुआ है, लेकिन अभी बातचीत का दौर शुरू नहीं हो पाया

है। यूरोप और खास तौर से फ्रांस के विकास के मिथक को इस आंदोलन ने तोड़ा है, क्योंकि फ्रांस के एक छोटे से इलाके क्रेतेई के हाईस्कूल में छात्रों ने इसकी शुरुआत की। वे अपने स्कूल के खराब हालात से परेशान थे। टूटी इमारत, टूटी खिड़कियां, कम शिक्षक, स्कूलों में कॉकरोचों व चूहों का आतंक— इन सब पर उनका गुस्सा फूटा था। लंबे समय से स्कूली छात्रों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों में स्कूलों की बदहाल स्थिति को लेकर नाराजगी थी। फ्रांस के स्कूलों में भी अमीरों के निजी स्कूलों और सरकारी स्कूलों की स्थिति में बहुत अंतर है। अंतर इलाकों के हिसाब से भी है। बड़े शहरों के पॉश इलाकों के स्कूल ठीक हैं, वहां अध्यापकों की उपलब्धता भी ठीक है। ऐसा दूर-दराज के इलाकों में नहीं है।

इस आंदोलन के दौरान यह सवाल भी सामने आया कि जहां गरीब लोग रहते हैं, वहां के स्कूलों को बेसहारा छोड़ दिया गया है। इन स्कूलों के शिक्षकों का भी कहना है कि कम आय वाले इलाकों में स्कूल होने की वजह से यहां पर्याप्त सुविधाएं और संसाधन सरकार नहीं देती है। इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का भविष्य चौपट हो जाता है। यह भेदभाव है, जिसे अब हम बदल नहीं करेंगे। जब से यह आंदोलन शुरू हुआ है, तब से चर्चा के केंद्र में मैक्रों सरकार की गलत नीतियां भी आई हैं। इसके केंद्र में यह मांग है कि फ्रांस के सभी छात्रों को अच्छी शिक्षा, सुरक्षित स्कूल और समान अवसर मिलने चाहिए। इसके लिए नीतिगत बदलाव की मांग जोर पकड़ रही है। बड़ी संख्या में छात्र फ्रांस की विश्वविद्यालय प्रवेश प्रणाली में भी बदलाव की मांग कर रहे हैं। ज्यादा स्कूल खोलने की मांग तो हो ही रही है।



काम करते-करते चिप्स और बिस्किट खाने से बढ़ सकता है मोटापा



पाचन पर भी हो सकता है असर

लगातार कुछ न कुछ खाते रहने से शरीर के सामान्य भोजन और पाचन चक्र में भी बदलाव आ सकता है। जब भोजन के बाद थोड़े अंतराल पर फिर स्नैक लिया जाता है, तो पेट और पाचन तंत्र को बार-बार भोजन को प्रोसेस करना पड़ता है। इससे कुछ लोगों को पेट भारी रहने, गैस, एसिडिटी या असहजता जैसी शिकायत हो सकती है। लगातार स्नैकिंग के कारण कई बार आपको लंच-डिनर के समय भूख कम महसूस हो सकती। पौष्टिक भोजन न कर पाने के कारण लंबे समय में आपको विटामिन्स और पोषक तत्वों की कमी का भी खतरा हो सकता है।



सोडियम की मात्रा बढ़ने का खतरा

चिप्स, नमकीन, इस्टेंट स्नैक्स और कई पैकेज्ड खाद्य पदार्थों में सोडियम की मात्रा ज्यादा हो सकती है। इन्हें बार-बार खाने से दिनभर में नमक का सेवन जरूरत से ज्यादा हो सकता है। लंबे समय तक अधिक सोडियम लेना हाई ब्लड प्रेशर के जोखिमों को बढ़ाने वाला माना जाता रहा है। जिन्हें पहले से ब्लड प्रेशर या हार्ट की समस्या है या फिर जिन लोगों का वजन अधिक है, उनके लिए बार-बार ज्यादा सोडियम वाली चीजें लेने से खतरा और बढ़ जाता है।



शुगर लेवल पर असर

काम के बीच हर थोड़ी देर में कुछ खाते रहने से शरीर को लगातार अतिरिक्त कैलोरी मिल रही होती है। खासकर बिस्किट, नमकीन, चिप्स, मिठाई, चाय के साथ स्नैक्स लेने पर ब्लड शुगर बार-बार बढ़ सकता है। हर स्नैक के बाद इंसुलिन हार्मोन सक्रिय होता है, जो ग्लूकोज को कोशिकाओं तक पहुंचाने में मदद करता है। यदि यह सिलसिला पूरे दिन चलता रहे और शारीरिक गतिविधि कम हो, तो शरीर पर अतिरिक्त मेटाबोलिक दबाव पड़ सकता है। डायबिटीज या प्री-डायबिटीज वाले लोगों के लिए यह आदत बहुत नुकसानदायक हो सकती है।



हंसना मना है

भिखारी : साहब एक रुपया दे दो। साहब : तुम्हें शर्म नहीं आती, रोड पर खड़े होकर भीख मांगते हो, भिखारी : अब तुझे एक रुपये मांगने के लिए ऑफिस खोलुं क्या?

साइकिल चलाकर पैर दुखे तो बाईक ली, बाईक चलाकर पीठ दुखी तो कार लाये, कार चलाकर पेट निकला तो जिम ज्वाइन किया और जिम में वापस साइकिल पर, इसे कहते हैं रिसायक्लिंग।

पत्नी : आप मुझे रानी क्यों बोलते हो? पति : क्योंकि नौकरानी थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है.. पत्नी गुस्से से : तुम्हें पता है कि मैं तुम्हें जान क्यों बोलती हूं? पति : नहीं.. बताओ तो जरा.. पत्नी : जानवर थोड़ा लम्बा शब्द हो जाता है इसलिए सिर्फ जान बोल देती हूं।

बाप- 5 के बाद क्या आता है? बेटा- 6 और 7 पापा! बाप- शाबाश बेटा मेरा तो बहुत इंटेलीजेंट है, अच्छा तो 6, 7 के बाद! बेटा- 8, 9, 10 बाप- और उसके बाद? बेटा- और उसके बाद गुलाम, बेगम और बादशाह!

टीचर : एक टोकरी में 10 आम हैं, उसमें से 2 आम सड़ गए, बताओ कितने आम बचे? संजू : सर, 10 आम, टीचर : वो कैसे? संजू : सड़ने के बाद भी आम तो आम ही रहेगा ना , केले तो बन नहीं जायेंगे, आज संजू एक वकील है।

कहानी

सुनहरा गोबर

एक बार की बात है, किसी शहर में एक बड़े से पेड़ पर एक पक्षी रहता था, जिसका नाम था सिन्धुक। सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि उस पक्षी का मल सोने में बदल जाता था। यह बात किसी को भी पता नहीं थी। एक बार उस पेड़ के नीचे से एक शिकारी गुजर रहा था। शिकारी उस पेड़ के नीचे आराम करने के लिए ठहरा। वो आराम कर ही रहा था कि इतने में सिन्धुक पक्षी ने उसके सामने मल त्याग कर दिया। जैसे ही पक्षी का मल जमीन पर पड़ा, वो सोने में बदल गया। यह देखते ही शिकारी बहुत खुश हुआ और उसने उस पक्षी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया। सिन्धुक जाल में फंस गया और शिकारी उसे अपने घर ले आया। पिंजरे में बंद सिन्धुक को देख शिकारी को चिंता सताने लगी कि अगर राजा को इस बारे में पता चला, तो वो न सिर्फ सिन्धुक को दरबार में पेश करने को कहेंगे बल्कि मुझे भी सजा देंगे। यह सोचकर, डर के मारे शिकारी ने खुद ही सिन्धुक को राज दरबार में पेश कर राजा को सारी बात बताई। राजा ने आदेश दिया कि सिन्धुक को सावधानी से रखा जाए और उसे अच्छे से खाना खिलाया जाए। ये सब सुनने के बाद मंत्री ने राजा को कहा कि आप इस बेवकूफ शिकारी की बात पर भरोसा मत कीजिये। कभी ऐसा होता है क्या कि कोई पक्षी सोने का मल त्याग करे। इसलिए, अच्छा होगा कि इसे आजाद करने का आदेश दें। मंत्री की बात सुनकर राजा ने चिड़िया को आजाद करने का आदेश दिया। सिन्धुक उड़ते-उड़ते राजा के दरवाजे पर सोने का मल त्याग करके गया। यह देखते ही राजा ने मंत्रियों को उसे पकड़ने का आदेश दिया, लेकिन तब तक वो पक्षी उड़ चुका था। उड़ते-उड़ते सिन्धुक कह गया कि मैं बेवकूफ था, जो शिकारी के सामने मल त्याग किया, शिकारी बेवकूफ था, जो मुझे राजा के पास ले गया, राजा बेवकूफ था, जो मंत्री की बात में आ गया। सभी बेवकूफ एक जगह ही हैं।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेघ 	आपकी ऊर्जा और प्रयास सफलता दिलाएंगे। व्यापार में लाभ के नए रास्ते खुलेंगे। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। वित्तीय मामलों में स्थिति मजबूत रहेगी।	तुला 	प्रभाव और दायरा बढ़ सकता है। रणनीतियां सफल होंगी, लाभ होगा। परिवार में सौहार्द और खुशहाली रहेगी। वित्तीय लाभ मिलने की उम्मीद है।
वृषभ 	कार्यस्थल पर शांतिपूर्वक काम निपटाएं। व्यापारिक निर्णयों में धैर्य रखें। पारिवारिक जीवन में तालमेल रहेगा। अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।	वृश्चिक 	विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। व्यापार में मुनाफा बढ़ने की संभावना है। परिवार का समर्थन हिम्मत बढ़ाएगा। अचानक धन प्राप्ति के योग हैं।
मिथुन 	करियर में तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। समझदारी से लिया फैसला लाभ देगा। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। आय में सुधार की संभावना है।	धनु 	रचनात्मक कार्यों में बड़ी सफलता मिलेगी। व्यापार में नए निवेश का मन बना सकते हैं। संतान पक्ष से खुशी का समाचार मिलेगा। आय में वृद्धि होने के स्पष्ट संकेत हैं।
कर्क 	सहकर्मियों का साथ काम आसान करेगा। व्यापारिक यात्राएं लाभदायक सिद्ध होंगी। परिवार में खुशियों का वातावरण रहेगा। धन लाभ होने के योग बन रहे हैं।	मकर 	कार्यस्थल पर जिम्मेदारी बढ़ सकती है। लिखा-पढ़ी में सावधानी रखें। परिवार में मिलकर समस्याओं को सुलझाएं। अनचाहे खर्चों पर लगाम लगाएं। बुजुर्गों के चरण स्पर्श करें।
सिंह 	करियर में प्रतिभा का सम्मान होगा। व्यापार में नए सौदे लाभ पहुंचाएंगे। प्रेम संबंधों में नया उत्साह दिखेगा। आर्थिक स्थिति काफी मजबूत रहेगी।	कुम्भ 	बुद्धिमानों से सभी काम समय पर बनेंगे। व्यापार में नए सौदे पर मुहर लगेगी। प्रियजनों के साथ समय खुशनुमा बीतेगा। वित्तीय स्थिति काफी सुदृढ़ होगी।
कन्या 	कार्यस्थल पर सजगता बनाए रखें। व्यापार में हड़बड़ी से बचें। बड़ों का मार्गदर्शन लाभ देगा। बजट का संतुलन बनाए रखें। मानसिक थकावट से बचें, विश्राम करें।	मीन 	आपकी सलाह को दफ्तर में माना जाएगा। व्यापार में लाभ के मौके मिलेंगे। परिवार में मांगलिक कार्य की चर्चा होगी। धन संघय करने के प्रयास सफल रहेंगे।



पापा ने मेरे लिए किसी से भीख नहीं मांगी : सारा अली खान

सारा अली खान अपनी फिल्म उड़ता तीर को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने पारिवारिक बैकग्राउंड को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि उनके पिता और अभिनेता सैफ अली खान ने कभी भी उनके फिल्म कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं की। उन्होंने एक मशहूर फिल्मी परिवार से आने के दोहरे पहलुओं पर चर्चा की। फिल्मफेयर से बातचीत में सारा ने कहा, मैं अपनी सिंगल मदर के साथ रहती हूँ। मेरे पिता कभी किसी ऑफिस में जाकर मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं करते थे और न ही



उन्होंने कभी किसी से मुझे अपनी फिल्में में लेने की गुजारिश की। जब मुझे केदारनाथ के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। उस वक्त मेरे साथ कोई नहीं था। यह एक दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है।

सारा ने माना कि अपने परिवार की वजह से उन्हें कुछ खास फायदे जरूर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हैं कि उन मौकों को न देख सकें जो उनके पारिवारिक बैकग्राउंड की वजह से उन्हें शुरुआत में मिल गए थे। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लगातार होने वाली जांच-परख की वजह से उन पर उम्मीदों का बोझ डाल दिया जाता है। सारा ने इस बात पर जोर दिया कि नेपोटिज्म (भाई-भतीजावाद) शब्द को पूरी तरह से नकारात्मक बना दिया गया है। उन्होंने तर्क दिया कि यह उन स्टार किड्स जैसे कि खुद सारा, जाह्नवी कपूर और अनन्या पांडे की कड़ी मेहनत को कम करके आंकता है, जबकि अपने माता-पिता को चुनने में इन कलाकारों का कोई हाथ नहीं था। सारा ने यह तो माना कि उन्हें और

उनके साथियों को ऐसे शानदार डेब्यू मिले, जिनके लिए कई नए कलाकार तरसते हैं, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर खुद को साबित करने का बोझ हमेशा उन्हीं के कंधों पर क्यों रहता है? हिंदी सिनेमा में अपने आठ साल के सफर के बाद, उनका कहना है कि अब उन्हें बार-बार यह साबित करने की जरूरत नहीं पड़नी चाहिए कि वह इंडस्ट्री में अपनी जगह की हकदार हैं। सारा ने कहा कि भले ही शुरुआत में मिलने वाले फायदे से इनकार नहीं किया जा सकता, लेकिन लंबे समय तक टिके रहने के लिए अपनी जिम्मेदारी खुद लेना और स्वतंत्र होना बहुत जरूरी है।

400 करोड़ के पार हुई फिल्म जेलर 2 की कमाई

इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर कई फिल्मों लगी हुई हैं। हालांकि इन सबमें रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 अच्छी कमाई की है। वीकएंड के बाद पहले सोमवार को फिल्म के कलेक्शन में गिरावट देखने को मिली है। उड़ता तीर के कलेक्शन में पहले वीकएंड के बाद गिरावट देखने को मिल रही है। अजय देवगन की दृश्यम 3 भी सिनेमाघरों में मौजूदगी दर्ज करा रही है। आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म उड़ता तीर ने पहले वीकेंड पर अच्छी कमाई की।

मगर वीकएंड पर इसके कलेक्शन में गिरावट दर्ज की गई। फिल्म की कमाई आधे से भी कम हो गई। रविवार यानी तीसरे दिन इसने 8.20 करोड़ रुपये कमाए थे। सोमवार को इसकी कमाई घट कर 3.15 करोड़ रुपये रह गई। फिल्म का टोटल कलेक्शन 22.70 करोड़ रुपये हो गया। सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। सोमवार को इसके कलेक्शन में मामूली गिरावट आई है। 11वें दिन यानी रविवार को इसने 25.70 करोड़ रुपये कमाए थे। दूसरे सोमवार को फिल्म ने 9.45 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह से इस फिल्म का कुल कलेक्शन 408.21 करोड़ रुपये हो गया है।



नई नवेली की कमाई में कितनी हुई बढ़ोतरी यामी गौतम की हॉरर-कॉमेडी फिल्म नई नवेली 16 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसने दूसरे रविवार को 95 लाख रुपये का कारोबार किया था। 11वें दिन इस फिल्म ने 35 लाख रुपये का कलेक्शन किया। फिल्म का टोटल कलेक्शन 24.95 करोड़ रुपये हो गया है। कह सकते हैं कि फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

शादी के पहले से करवाचौथ मना रही हैं पायल रोहतगी

करवा चौथ का त्योहार पति-पत्नी के प्यार, विश्वास और साथ का प्रतीक माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और पूरे दिन पूजा-पाठ के बाद चांद देखकर अपना व्रत खोलती हैं। बॉलीवुड और टीवी की दुनिया में भी कई कपल इस त्योहार को खास अंदाज में मनाते हैं। इन्हीं में से एक हैं एक्ट्रेस पायल रोहतगी और उनके पति संग्राम सिंह। दोनों की लव स्टोरी से लेकर शादी तक काफी चर्चा रही है। इस खास मौके पर पायल रोहतगी और संग्राम सिंह ने न्यूज18 हिंदी से खास बातचीत की। जब पायल रोहतगी से पूछा गया कि क्या वो और संग्राम सिंह शादी के बाद से लगातार करवा चौथ मना रहे हैं। इसका जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि वो शादी के पहले से करवाचौथ मना रही हैं। वो लगातार संग्राम के साथ त्योहार का जश्न मनाती हैं और इस त्योहार को मनाने के लिए उनके अपने नियम और कायदे हैं। जब हमने पायल रोहतगी से पूछा कि क्या उनके पति संग्राम सिंह भी उनके लिए व्रत रखते हैं तो उन्होंने कहा कि उनके पति कभी व्रत नहीं रखते हैं। उन्होंने आज तक कभी व्रत नहीं रखा है। एक्ट्रेस ने बताया कि वो बीच-बीच में चाय-कॉफी पीती रहती हैं।



महाकाल के दर पर भूमि पेड़नेकर ने टेका माथा

भूमि पेड़नेकर हाल ही में उज्जैन स्थित महाकाल के दर्शन करने गई थीं। बुधवार को एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने खुद को पूरी तरह से महाकाल के चरणों में समर्पित कर दिया है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की कुछ खास तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। एक्ट्रेस ने लिखा, महाकाल के सामने खुद को बस समर्पण कर दिया। जय श्री महाकाल। हेप्पी दीपावली। एक्ट्रेस का पोस्ट फैंस और उनके इंडस्ट्री के दोस्तों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। कई सेलेब्स और जानी-मानी हस्तियों ने एक्ट्रेस के पोस्ट पर कमेंट कर प्रतिक्रिया भी दी। श्री महाकाल (भगवान महाकालेश्वर) मध्य प्रदेश के उज्जैन शहर में स्थित भगवान शिव का एक अत्यंत प्रसिद्ध और पवित्र ज्योतिर्लिंग है। महाकाल की मूर्ति दक्षिण की ओर मुख किए हुए है, जो इसे सभी 12 ज्योतिर्लिंगों में अद्वितीय और तांत्रिक परंपरा के अनुसार विशेष बनाती है। यह शिवलिंग मनुष्य द्वारा स्थापित नहीं किया गया है बल्कि यह अपने आप प्रकट (स्वयंभू) हुआ है। मान्यता है कि बाबा महाकाल उज्जैन के राजा हैं और उनकी मर्जी के बिना यहां कोई दूसरा राजा या शासक रात नहीं रुकता। मुख्य मंदिर तीन स्तरों पर बना है। सबसे नीचे (तहखाने में) महाकाल, पहली मंजिल पर ओंकारेश्वर और दूसरी (शीर्ष) मंजिल पर नागचंद्रेश्वर का मंदिर है।



विदेश में सात फेरे लेंगे अनिरुद्ध और काव्या

अनिरुद्ध रविचंद्र और सनराइजर्स हैदराबाद की सह-मालकिन काव्या मारन की शादी की खबरें इन दिनों चर्चा में हैं। दोनों की शादी को लेकर सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। आइए जानते हैं, दोनों की शादी और रिसेप्शन को लेकर अब तक क्या जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिरुद्ध और काव्या ग्रीस में एक निजी समारोह में शादी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि शादी 10 और 11 नवंबर को हो सकती है। इस समारोह में परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के शामिल होने की उम्मीद है।

हालांकि, शादी की तारीख और ग्रीस में होने वाले समारोह की जगह को लेकर अभी तक दोनों की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। वहीं, चेन्नई में होने वाले रिसेप्शन को लेकर काफी चर्चा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार्यक्रम 21 नवंबर को आईटीसी ग्रैंड चोला होटल में आयोजित किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि



इस समारोह में राजनीति, फिल्म और अन्य क्षेत्रों की कई जानी-मानी हस्तियां शामिल हो सकती हैं।

अनिरुद्ध और काव्या की शादी की चर्चाओं के बीच उनके रिसेप्शन का खास निमंत्रण पत्र भी लोगों का ध्यान खींच रहा है। सोशल मीडिया पर सामने आए इस कार्ड को रंजनी अयंगर के डिजाइन स्टूडियो पिंक व्हिसल मैन ने तैयार किया है। इस निमंत्रण पत्र को आइवरी और हल्के नीले रंग के बॉक्स में रखा गया है। इसमें उभरी हुई डिजाइन, बारीक सजावट और पुराने दौर की शाही मुहर जैसी खासियतें दिखाई देती हैं। कार्ड का डिजाइन बारोक शैली से प्रेरित बताया जा रहा है। इसकी खास बनावट और शाही अंदाज इसे दूसरे निमंत्रण पत्रों से अलग बनाते हैं। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें सामने आने के बाद लोग इसके डिजाइन और भव्य अंदाज की चर्चा कर रहे हैं। हालांकि, रिसेप्शन के निमंत्रण पत्र के सामने आने के बाद भी शादी से जुड़ी कई अहम जानकारियों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

हरदीप पुरी के रास के टिकट पर मप्र में रास

» उमंग सिंघार ने पूछा-आखिर मध्यप्रदेश की सीट ही क्यों चुनी

» कांग्रेस ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। हरदीप सिंह पुरी को मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजे जाने के फैसले पर कांग्रेस ने भाजपा को घेरा है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे भाजपा के राजनीतिक हितों से जोड़ते हुए सवाल किया कि राज्यसभा के लिए मध्यप्रदेश की सीट का इस्तेमाल क्यों किया गया। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने भी इस फैसले पर आपत्ति जताते हुए महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा को घेरा। जबकि पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मध्यप्रदेशवासियों, मत के मद में डूबी भाजपा प्रदेश के साथ आपके वोट का भी खुला अपमान कर रही है। कांग्रेस इसका विरोध करती है।

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 28 अक्टूबर को जारी बयान में हरदीप सिंह पुरी को राज्यसभा का टिकट

कूनों में चीता शावक की मौत पर सरकार जवाबदेह

सिंघार ने कूनों नेशनल पार्क में चीता शावक की मौत और उसके शरीर में छेद मिलने की बात को लेकर भी प्रदेश सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर चीतों को मध्यप्रदेश लाया गया और उनके संरक्षण के दावे किए गए, लेकिन उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सरकार की जवाबदेही तय होनी चाहिए। मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए सिंघार ने कहा कि सरकार पिंजरा खोलकर स्टंट करना जानती है, लेकिन चीतों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर पा रही। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने, जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

देने के फैसले पर सवाल उठाए। सिंघार ने पूछा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश के बजाय मध्यप्रदेश की सीट क्यों चुनी और क्या राज्य में उसे कोई नेता नहीं मिला? सिंघार ने आरोप लगाया कि भाजपा मध्यप्रदेश को अपने राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सम्मान और जनता के हितों की अनदेखी कर राजनीतिक समीकरण साधना भाजपा की कार्यशैली बन गई है।



प्रदेश की छवि को नुकसान पहुंचाएगा पुरी का चयन : अरुण यादव

पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने हरदीप सिंह पुरी को मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजे जाने पर आपत्ति जताई। उन्होंने प्रदेश में बच्चियों के खिलाफ अपराधों का मुद्दा उठाते हुए भाजपा की महिलाओं और बच्चियों के प्रति सोच पर सवाल किए। यादव ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश पहले ही बच्चियों के खिलाफ अपराधों को लेकर सवाल के घेरे में है और ऐसे में पुरी को राज्यसभा भेजने का फैसला प्रदेश की छवि को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने इस फैसले को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने इन दोनों मुद्दों के जरिए भाजपा सरकार की राजनीतिक मंशा और जवाबदेही पर सवाल उठाए हैं। हालांकि, हरदीप सिंह पुरी को लेकर लगाए गए राजनीतिक आरोपों और कूनों में चीता शावक की मौत से जुड़े तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि अलग से किया जाना जरूरी है।

सरकार परसेप्शन की लड़ाई हार रही है

» इंस्टाग्राम पॉलिसी को लेकर सीजेपी नेता सौरव दास ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लेखिका शेफाली वैद्य के इंस्टाग्राम को लेकर किए गए एक पोस्ट पर सीजेपी नेता सौरव दास ने निशाना साधा है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, डरो, बहुत ज्यादा डरो, आखिरकार सच सामने आ रहा है और युवा इस वेव (लहर) का नेतृत्व कर रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने यूट्यूब ध्रुव राठी के एक वीडियो पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए मोदी सरकार को घेरा। शेफाली वैद्य ने एक्स पर एक पोस्ट में इंस्टाग्राम रील्स को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि नरेंद्र मोदी सरकार परसेप्शन की लड़ाई हार रही है।

उन्होंने आगे कहा कि खासकर इंस्टाग्राम पर हर दिन सरकार के खिलाफ सैंकड़ों प्रोपेगेंडा रील्स बनाई जा रही हैं, जिन्हें जबरदस्ती हर किसी की टाइमलाइन पर दिखाया जा रहा है। शेफाली वैद्य ने भारत में इंस्टाग्राम की पॉलिसी को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि भले ही आप उन रील्स बनाने वालों को फॉलो न करते हों। इस प्लेटफॉर्म ने साफ तौर पर एक पक्ष चुन लिया है और अश्विनी वैष्णव का मंत्रालय या तो इस बारे में पूरी तरह



अनजान है, या फिर वहां के अधिकारी (बाबू) किसी मिलीभगत का हिस्सा है। उन्होंने अपने इस पोस्ट में बीजेपी के संगठन महामंत्री बीएल संतोष को भी टैग किया है। सौरव दास ने ध्रुव राठी के एक वीडियो को रीपोस्ट करते हुए कहा कि तानाशाह बहुत ज्यादा डरा हुआ है। क्या जेन-जी अब उनके दोस्त नहीं रहे? ध्रुव राठी ने अपने वीडियो में कहा कि लाखों की संख्या में इंस्टाग्राम से पोस्ट हटाई जा रही हैं, क्योंकि मोदी सरकार काफी डरी हुई है और वो लगातार इंस्टाग्राम को पोस्ट हटाने के ऑर्डर दे रही है। उन्होंने दावा किया कि गैर राजनीतिक पोस्ट भी हटाई जा रही है। उन्होंने ये भी दावा किया कि अंधाधुंध पोस्ट हटाने के चक्कर में सरकार को समर्थन करने वाली पोस्ट तक हटा दी जा रही है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में अभिषेक फिर शीर्ष पर पहुंचे

» टेस्ट ऑलराउंडर में जडेजा की बादशाहत खत्म, मार्को यानसेन ने लिया स्थान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। आईसीसी की ताजा पुरुष खिलाड़ी रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अभिषेक शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिर से नंबर-एक बल्लेबाज का स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर मार्को यानसेन ने एक साथ टेस्ट गेंदबाज और टेस्ट ऑलराउंडर की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। यानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में भारत के रवींद्र जडेजा को पीछे छोड़ दिया, जो चार साल से अधिक समय से इस स्थान पर काबिज थे। ताजा रैंकिंग में टेस्ट बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की सूची में भी कई बदलाव हुए हैं।

ईशान किशन ने इस साल जुलाई में आयरलैंड के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद अभिषेक से नंबर-1 का स्थान हासिल किया था। मार्को यानसेन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

85 रन बनाए और में पांच विकेट लेकर मैच का रुख बदलने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रदर्शन के बाद यानसेन टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में 13 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें स्थान पर पहुंच गए। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में उन्होंने पांच स्थान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क को पीछे छोड़ा। वहीं, टेस्ट

ऑलराउंडरों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर पहुंचकर उन्होंने रवींद्र जडेजा का लंबे समय से चला आ रहा शीर्ष स्थान छीन लिया। तेम्बा बावुमा ने भी टेस्ट रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे आगे इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक हैं। टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भारत के संजू सैमसन छह स्थान ऊपर चढ़कर 20वें स्थान पर पहुंच गए। न्यूजीलैंड के फिन एलन ने भी तीन स्थान की छलांग लगाकर 25वां स्थान हासिल किया। टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजों की रैंकिंग में न्यूजीलैंड के मिचेल सैंटनर सात स्थान ऊपर चढ़कर सातवें और भारत के अर्शदीप सिंह छह स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए।



प्रसिद्ध कृष्णा वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ चार नवंबर से शुरू होने वाली आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे, क्योंकि वह अभी तक अपनी हैमरिडिंग की चोट से पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। प्रसिद्ध अच्छी तरह से उबर रहे हैं और एक और दो नवंबर को बंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उनका मैच सिमुलेशन और फिटनेस टेस्ट होगा है। किसी भी स्थिति में, टीम प्रबंधन के साथ-साथ राष्ट्रीय घनयन समिति का यह मानना है कि प्रसिद्ध को टेस्ट मैचों के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए, जहां वनडे की तुलना में उनकी अधिक आवश्यकता है। प्रसिद्ध को सिर्फ शुरुआती तीन मैचों के लिए टीम में जगह मिली थी। प्रसिद्ध कृष्णा की उपलब्धता उनकी फिटनेस और बाई हैमरिडिंग की चोट से उबरने पर निर्भर थी, लेकिन सूत्रों के अनुसार प्रसिद्ध सीरीज से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने हालांकि, आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है।

ROOTS AND SKY
HOSPITALITY PRIVATE LIMITED

Your Comfort, Our Priority

Hotels, Short-Stay Accommodations, and Food & Beverage Services

Stay Relax Dine Enjoy

Comfortable Stays
 Short-Stay Options
 Delicious Food & Beverage Services

More Than Just a Stay

Plot No.-7, Lower Ground Floor, Ahinsa Khand-2, Shipra Sun City, Ghaziabad, Uttar Pradesh, 201014, India

लोकतंत्र को बचाने व वोट चोरी को रोकने के लिए दिल्ली आएंगे: राहुल

» नेता प्रतिपक्ष की विपक्ष से अपील, एक ही प्रोटेस्ट लाठियों की चिंता न करें

» सब लोग जो नरेंद्र मोदी अमित शाह और सीईसी ज्ञानेश कुमार से तंग हैं

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के खिलाफ इंडिया गठबंधन की रैली से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विपक्षी दलों और छात्र संगठनों से बड़ी अपील की है। उन्होंने कहा कि चलो दिल्ली रामलीला मार्च, लोकतंत्र को बचाने का, वोट चोरी को रोकने का, संविधान को बचाने का मार्च है, यह किसी एक राजनीतिक पार्टी का मार्च नहीं-यह हिंदुस्तान की आत्मा का मार्च है।

राहुल गांधी ने कहा, सब लोग जो नरेंद्र मोदी, अमित शाह, ज्ञानेश कुमार से तंग हैं। सब लोग जो लोकतंत्र को बचाना चाहते हैं, संविधान की रक्षा करना चाहते हैं, आप सब आइए। एक ही प्रोटेस्ट है- देश का प्रोटेस्ट है। राहुल गांधी ने कहा, मैं सभी छात्र समूहों से आग्रह करता हूँ, चाहे आपकी राजनीतिक संबंध कुछ भी हो-अगर आपको लगता है



30 अक्टूबर को होगा कार्यक्रम

कांग्रेस नेता जयरांम रमेश के मुताबिक, विपक्षी गठबंधन 30 अक्टूबर को दोपहर 3:30 बजे नई दिल्ली में खरगे के आवास, 10 राजाजी मार्ग पर 'जनता का महानियोग' कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ने संविधान की भावना का उल्लंघन किया है और चुनावी लोकतंत्र को कमजोर किया है। ये विपक्ष के आरोप हैं। कांग्रेस और उसके सहयोगी दल मतदाता सुचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी विरोध कर रहे हैं। विपक्ष चुनावी अनियमितताओं और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने की आशंकाओं पर सवाल उठाते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे या उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहा है।

कि भारत पर हमला हो रहा है, अगर आपको लगता है कि आप पर हमला हो रहा है, आपकी अभिव्यक्ति, आपके विचारों, आपके सोचने के तरीके पर हमला हो रहा है, तो आएं और हमारे साथ जुड़ें। यह एक शानदार मार्च होगा और यह इस देश की आत्मा के लिए एक मार्च है। आप सभी को वहां देखने के लिए उत्सुक हूँ।

पुलिस की चिंता मत करो

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, पुलिस की चिंता मत करो, लाठियों की चिंता मत करो-बीजेपी में उनकी कोई भी हरकत आजमाने की हिम्मत नहीं होगी। आइए हमारे साथ चलो हम संविधान की रक्षा के लिए, भारतीय राष्ट्र की रक्षा के लिए एक साथ चलेंगे। डरने की जरूरत नहीं है।

‘चलो दिल्ली’ मार्च से पहले खरगे के आवास पर इंडिया ब्लॉक का मंथन

मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी गठबंधन की ओर से प्रस्तावित 'जनता का महानियोग' कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर विपक्षी नेताओं की बैठक हुई। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड़ा समेत कई नेता बैठक में शामिल होने पहुंचे। वहीं, इस दौरान कांग्रेस सांसद गौरव गोमोई ने भाजपा पर चुनावी प्रक्रिया में कथित गड़बड़ियों को छिपाने का आरोप लगाया। गोमोई ने पत्रकारों से कहा कि भाजपा कथित अनियमितताओं की सच्चाई सामने आने से रोकने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष दिल्ली आकर जनता के सामने यह मुद्दा उठाना चाहता है कि कथित गड़बड़ियाँ कैसे हुईं और इसके पीछे कौन जिम्मेदार है।

इंडिया गठबंधन की दो प्रमुख मांगें हैं। पहला-ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें और दूसरा एसआईआर पर रोक लगे। इसी मांग को लेकर रामलीला मैदान में एक नवंबर को इंडिया गठबंधन की रैली है। इससे पहले 30 अक्टूबर को विपक्षी दलों ने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनता का महाभियोग लाने का ऐलान किया है।

अपनी सीटें जाने का दुख नहीं कांग्रेस को सीटें नहीं मिली इसी में खुश हैं मोदी: राउत

» शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद बोले- बैलेट पेपर पर हारी अब हमेशा हारेगी बीजेपी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के नागपुर विधान परिषद चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी की जीत पर संजय राउत का बड़ा बयान आया है। शिवसेना यूबीटी के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। यूबीटी सांसद ने कहा, कल मोदी जी बहुत खुश हो गए थे। उन्हें तो जैसे हर्षवायु हो गया था। अपनी सीटें चली गई इसका दुख कम और इस बात की खुशी ज्यादा थी कि कांग्रेस को सीटें नहीं मिलीं, लेकिन राजनीति में संयम रखना जरूरी होता है।

संजय राउत ने आगे कहा, महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के नतीजों के बाद बीजेपी और पूरी महायुति को आत्मचिंतन करने की जरूरत है। आप नागपुर, मराठवाड़ा और पुणे की सीटें हार गए हैं। किसी का भी कोई स्थायी गढ़ नहीं होता। संजय राउत ने दावा किया, बैलेट पेपर पर महाराष्ट्र में बीजेपी हार गई। बैलेट पेपर पर जहां नरेंद्र मोदी सांसद हैं, उस काशी में भी बीजेपी हार गई। लखनऊ में भी बीजेपी हार गई। महाराष्ट्र में बैलेट पेपर पर हुए चुनाव में ग्रेजुएट मतदाताओं के सभी क्षेत्रों में बीजेपी हार गई है। इस हार को स्वीकार करना चाहिए। बीजेपी में दुख और शोक का माहौल है। नागपुर हार गए, काशी हार गए, लखनऊ हार गए। संजय राउत का दावा है कि बीजेपी हमेशा हारेगी। ये लोग फ्रॉड करके जीतते आए हैं। अब बैलेट पेपर पर चुनाव हुआ है, आप देखिए, मराठवाड़ा में बीजेपी हार गई।



संजय राउत ने सुप्रीम कोर्ट से मांगी माफी, कहा- सच्चा पछतावा है, भविष्य में भी संयम बरतेंगे

शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी। कोर्ट की तरफ से जारी अवमानना नोटिस के जवाब में राउत ने माफीनामा दाखिल किया है। राउत ने कहा है कि उन्हें अपनी टिप्पणियों पर सच्चा पछतावा है। वह कोर्ट के प्रति सम्मान रखते हैं और भविष्य में न्यायपालिका पर बयान देते समय सावधानी और संयम बरतने का भरोसा देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर को संजय राउत को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है। राहुल गांधी समेत विपक्ष के नेताओं से मिलने से चीफ जस्टिस के इनकार करने के बाद राउत ने न्यायपालिका के बारे में आपत्तिजनक शब्द की थी। इसी को लेकर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने उनके खिलाफ अवमानना याचिका दायर की है।

पूरे पुणे में हार गई। पुणे बीजेपी का गढ़ है। नागपुर में हार गई। इसके बाद संजय राउत ने एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी के अस्तित्व पर भी शंका जताई। उन्होंने कहा, मैंने प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल के बयान देखे हैं। मैंने पहले ही कहा है कि एकनाथ शिंदे या अजित पवार की पार्टी का अपना कोई आधार नहीं है। अमित शाह ने इन पार्टियों को बनाया है। जब तक उन्हें लगता है, तब तक ये पार्टियां रहेंगी। इसके बाद इन पार्टियों को बीजेपी में विलय करना पड़ेगा।

अब्दुल्ला और आजम खां को राहत

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला के दो पैन कार्ड के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच ने दोनों की जमानत अर्जी मंजूर करते हुए सजा निलंबित कर दी है। हालांकि, कोर्ट ने दोषसिद्धि पर रोक लगाने की मांग खारिज कर दी।

दोनों ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए दोषसिद्धि पर रोक लगाने, सजा निलंबित करने और अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग की थी। इस मामले में 15 अक्टूबर को सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। आजम खां द्वारा



दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका में उनकी दोषसिद्धि और 10 साल की सजा को चुनौती दी गई थी। वहीं, अब्दुल्ला आजम खान को इस मामले में 7 साल की सजा सुनाई गई है। राज्य सरकार ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दोनों को सुनाई गई सजा को उभ्रकैद में बदलने की मांग की है। आजम खान और उनके बेटे की जमानत पर मुजफ्फरनगर से सपा सांसद हरेंद्र मलिक ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पार्टी के बड़े नेता हैं उनके बाहर आने से निश्चित तौर पर पार्टी मजबूत होगी।

अलीगंज गोलीकांड में उलझी राजधानी पुलिस!

अनुराग के बदलते बयानों ने बढ़ाया सस्पेंस, सीसीटीवी में तलाशा जा रहा फायरिंग का राज

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। अलीगंज थाना क्षेत्र स्थित केंद्रीय भवन के पास बुधवार रात करीब 10:43 बजे फायरिंग की सूचना से हड़कंप मच गया। फास्ट फूड की दुकान पर खड़े मड़ियांव निवासी अनुराग शुकला के हाथ में संदिग्ध परिस्थितियों में चोट लग गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसीपी मौके पर पहुंचे। घायल को पहले भाऊराव देवरस अस्पताल ले जाया गया, जहां से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत सामान्य है।

अलीगंज सहायक पुलिस आयुक्त शशि प्रकाश मिश्रा के मुताबिक, अनुराग केंद्रीय भवन के पास फास्ट फूड की दुकान पर खड़े थे। इसी दौरान उन्हें पटाखे जैसी आवाज



घटना में सबसे दिलचस्प पहलू घायल अनुराग शुकला के कथित तौर पर बदलते बयान हैं। इससे पुलिस के सामने घटना की वास्तविक वजह पता लगाने की चुनौती खड़ी हो गई है। पुलिस उपायुक्त अमित कुमार

सुनाई दी। कुछ देर बाद हाथ से खून निकलता देख गोली लगने की आशंका हुई। हालांकि अनुराग यह स्पष्ट नहीं कर सके कि उन्हें किसने और कैसे घायल किया। अनंद के मुताबिक, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। आसपास मौजूद लोगों से भी पूछताछ जारी है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर बुधवार रात केंद्रीय भवन के पास हुआ क्या था? क्या वास्तव में गोली चली थी या चोट लगने की वजह कुछ और है? अनुराग के बदलते बयानों और घटनास्थल के आसपास लगे कैमरों के बीच उलझी इस घटना का राज पुलिस कब तक खोल पाती है, यह देखने वाली बात होगी। फिलहाल फायरिंग की आधिकारिक पुष्टि और घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट होना बाकी है।

अमित शाह का घुसपैटिया नैरेटिव फेल: जयराम रमेश

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की आलोचना करते हुए गृह मंत्री अमित शाह पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि छह राज्यों में 10 करोड़ लोगों की जांच के बाद



कांग्रेस नेता बोले- झूठ बोल रहे हैं गृहमंत्री

सिर्फ 1600 विदेशी मिले। रमेश ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और प्रक्रिया निलंबित करने की मांग की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-एसआईआर की आलोचना की। उन्होंने इसकी

प्रभावशीलता पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगभग 10 करोड़ लोगों के शामिल होने के बावजूद, छह राज्यों में केवल 1,600 विदेशी नागरिकों की पहचान की गई और उन्हें सूची से हटाया गया। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान का जिक्र किया जिसमें उन्होंने SIR का उद्देश्य घुसपैटियों की पहचान करना, उन्हें सूची से हटाना और वापस उनके देश भेजना (निर्वासित करना) बताया था, ताकि मतदाता सूची को शुद्ध किया जा सके। हालांकि, रमेश ने इन दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गृह मंत्री ने कहा था कि SIR का 3D उद्देश्य है। घुसपैटियों की पहचान करना, उन्हें सूची से हटाना और वापस उनके देश भेजना, ताकि मतदाता सूची को शुद्ध किया जा सके। असल म एसआईआर ने क्या हासिल किया है? कर्नाटक, झारखंड, मेघालय, केरल, गोवा और मिजोरम-इन छह राज्यों में अलग-अलग देशों के केवल 1,600 विदेशियों की पहचान की गई और उन्हें सूची से हटाया गया। इन राज्यों में लगभग 10 करोड़ लोग इस एसआईआर प्रक्रिया से गुजरे और नतीजा यह रहा कि केवल 1,600 विदेशी मिले। उन्होंने आगे कहा कि बाकी 20 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का डेटा इसलिए उपलब्ध नहीं था क्योंकि भारत निर्वाचन आयोग ने इसे इकट्ठा करने के लिए नहीं कहा था। उन्होंने जोड़ा कि साफ है कि गृह मंत्री झूठ बोल रहे थे। कर्नाटक का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि वहां मतदाता सूची से 99.7 लाख नाम हटाए गए, जबकि 716 विदेशी नागरिकों की पहचान हुई, जिनमें से 545 नेपाली नागरिक थे। रमेश ने सीईसी पर संविधान के उल्लंघन और चुनावी लोकतंत्र को कमजोर करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- CEC ने स्पष्ट रूप से संविधान के प्रावधानों और उसकी मूल भावना का उल्लंघन किया है। उन्होंने हमारे चुनावी लोकतंत्र की नींव को ही व्यवस्थित तरीके से कमजोर किया है। सीधे शब्दों में कहें तो, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से झूठ बोला है। वे उस खतरनाक जोड़ी के इशारे पर काम करने वाले मोहरे रहे हैं, जिनकी बारी अब आगे आएगी।